



भारत का राजपत्र The Gazette of India

xxxGIDHxxx

सी.जी.-डी.एल.-अ.-26042023-245467

CG-DL-E-26042023-245467

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 109]

नई दिल्ली, बुधवार, अप्रैल 26, 2023/वैशाख 6, 1945

No. 109]

NEW DELHI, WEDNESDAY, APRIL 26, 2023/VAISAKHA 6, 1945

गृह मंत्रालय

नई दिल्ली, 26 अप्रैल, 2023

शोक संदेश

No.3/1/2023-पब्लिक.—पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री श्री प्रकाश सिंह बादल का 25 अप्रैल 2023 को मोहाली, पंजाब में निधन हो गया। उनके निधन से देश ने एक सम्मानित राजनेता खो दिया है।

2. 8 दिसंबर, 1927 को पंजाब के मुक्तसर जिला के गांव अबुल खुराना में जन्मे श्री बादल ने एफसी कॉलेज लाहौर से स्नातक की पढ़ाई की। उन्होंने 1947 में राजनीति में प्रवेश किया और अपने गांव के सरपंच बने। वह पहली बार 1957 में राज्य विधान सभा के लिए चुने गए थे। वह 1969 में विधानसभा के लिए फिर से चुने गए। उन्होंने सामुदायिक विकास, पंचायती राज, डेयरी, मत्स्य पालन और पशुपालन मंत्री के रूप में कार्य किया। वह 1969-71, 1977-80, 1997-2002, 2007-2012 और 2012-2017 तक पांच बार पंजाब के मुख्यमंत्री रहे। वह संसद सदस्य भी रहे और 1977 में स्वर्गीय श्री मोरारजी देसाई की अध्यक्षता वाली केंद्र सरकार में केंद्रीय कृषि और सिंचाई मंत्री के पद पर रहे।

3. पंजाब के विकास में श्री बादल का उल्लेखनीय योगदान रहा है। उन्होंने राज्य के लोगों के लिए कई कल्याणकारी योजनाओं की शुरुआत की। उन्होंने देश में मानवाधिकारों और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए निरंतर संघर्ष किया तथा आपातकाल के दौरान उन्हें कारावास में भी समय बिताना पड़ा। अपने पूरे जीवन में, उन्होंने गरीबों और वंचितों, विशेष रूप से गरीब किसानों और भूमिहीन मजदूरों के मसलों का समर्थन किया। वे समाज में शांति और साम्प्रदायिक सौहार्द के स्तंभ थे। उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन में संधीय प्रणाली को सुदृढ़ करने के लिए लगातार काम किया।

4. अपने पूरे जीवन में, श्री बादल ने आमजनों के बीच रहकर काम किया, जिससे उन्हें एक सच्चे जमीनी नेता के रूप में जाना जाता है। उन्होंने नियमित रूप से पंजाब के गांवों में घर-घर जाकर लोगों की शिकायतों का निवारण करने के लिए संगत दर्शन आयोजित किए।

5. श्री बादल को उनकी सेवाओं और उपलब्धियों के लिए कई प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त हुए। इनमें उनकी लंबी पंथिक एवं सार्वजनिक सेवा के लिए श्री अकाल तख्त साहिब द्वारा 'पंत रतन फख्र-ए-कौम' की उपाधि और भारत सरकार द्वारा लोक सेवा के लिए दिया गया पद्म विभूषण उल्लेखनीय हैं।

6. सम्पूर्ण राष्ट्र उनके दुःखद निधन पर गहरा दुःख और शोक व्यक्त करता है और शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करता है।

अजय कुमार भल्ला, गृह सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 26th April, 2023

OBITUARY

No.3/1/2023-Public.—Shri Parkash Singh Badal, Former Chief Minister of Punjab died at Mohali, Punjab on 25th April 2023. In his passing away, the nation has lost a remarkable statesman.

2. Born on December 8, 1927 in village Abul Khurana of Muktsar district in Punjab, Shri Badal did his graduation from FC College Lahore. He entered politics in 1947 and became the Sarpanch of his village. He was elected to the State Legislative Assembly first in 1957. He was re-elected to Vidhan Sabha in 1969. He served as the Minister for Community Development, Panchayati Raj, Dairy, Fisheries and Animal Husbandry. He was the Chief Minister of Punjab for five terms from 1969-71, 1977-80, 1997-2002, 2007-2012 and 2012-2017. He was a Member of Parliament and served as Minister of Agriculture and Irrigation in the Union Government headed by late Shri Morarji Desai in 1977.

3. Shri Badal's contributions towards development of Punjab have been enormous. He introduced several welfare schemes for the people of the State. He relentlessly struggled for safeguarding human rights and democratic values in the country and he had to undergo imprisonment during the Emergency. Throughout his life, he championed the cause of the poor and the underprivileged people, especially the poor peasantry and landless labourers. He was a pillar of peace and communal harmony in society. Throughout his political life, he worked for strengthening the federal structure in the country.

4. All his life, Shri Badal worked among the common people, as a result of which he was regarded as a true grassroots leader. He regularly held Sangat Darshans in villages across Punjab, going to the doorsteps of the people to redress their grievances.

5. Shri Badal received several distinguished honours for his services and achievements. Notable amongst these are the title of 'Pant Rattan Faqhr-E-Quam' conferred by Sri Akal Takht Sahib for his long panthic service and Padma Vibhushan by Government of India in recognition of his public service.

6. The entire nation expresses its deep sense of loss and grief on his sad demise and extends its heartfelt condolences to the bereaved family.

AJAY KUMAR BHALLA, Home Secy.